

छत्तीसगढ़ संस्कृत विभाग का आईसीसीआर के साथ एमओयू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ के संस्कृत विभाग ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के साथ एमओयू किया है। एमओयू के बाद अब देश और दुनिया में होने वाले कार्यक्रमों में छत्तीसगढ़ी कलाकारों को भी प्रस्तुतिका मौका दिया जाएगा, जो देश और दुनिया के साथ राज्य का सांस्कृतिक आदान-प्रदान करने में महत्वपूर्ण होगा।

प्रमुख बंदि

- इंडियन काउंसिल ऑफ कलचरल रलेशंस संस्था भारत सरकार के वदिश मंत्रालय का उपक्रम है। ये संस्था वशिव स्तर पर भारत की संस्कृति को बढावा देने के लयि काम करती है। इसके तहत वशिव के अन्य देशों में कला, संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम कराए जाते हैं।
- छत्तीसगढ़ संस्कृत विभाग के संचालक वविक आचार्य ने बताया कवदिश से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लयि कोई भी जानकारी अब राज्य को भी सूचति की जाएगी।
- संस्कृति विभाग द्वारा राज्य के कलाकारों को प्रस्तुति के लयि भेजा जाएगा। इससे छत्तीसगढ़ के कलाकारों को वदिश में प्रस्तुति देने का महत्त्वपूर्ण मौका मल्लिगा, साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक वरिसत को दुनया देख सकेगी। इसके माध्यम से राज्य के कलाकारों को वदिशी कल्चर जानने का भी अवसर मल्लिगा।
- उल्लेखनीय है कव संस्कृत विभाग के चनिहारी पोर्टल में अब तक राज्य के 2 हज़ार 25 कलाकार और 443 कला दल रजसिटरड हैं।